

लहसीलशर) येम होने पत्रावली दिनांक 26/4/24 को येम हो।

मेधमि

26/4 पत्रावली येम हुई। वकील वाडीगण उपस्थित पुररुण मे उतिवाडी स। (बुकिधारी लहसीलशर) खडोला का जबाब येम हुआ। जो मामिल पत्रावली किया गया। वकील वाडीगण ने निवेदन किया कि सुमान की बुकि रकम 603 रु 613 रुल किला 17 रुल रकम 12-16 रु की लोतेशरी मे वाडीगण के पिता के कोत होने पर बिरासत के आधार वाडीगण के पिता का नाम 'अगवान' दर्ज कर दिया गया। जो बिरासत की नगलबल दर्ज करते समय राजस्व रिकार्ड मे वाडीगण के पिता का नाम अगवान दर्ज हो गया, जिसके कारण वाडीगण को सलत एक ललनी हा एंव वाडीगण को राज्य सरकार से मिलने वाली सुविधाओं व अन्य सुविधाओं के परेधानी होती है। राजस्व रिकार्ड खोलेदारी मे वाडीगण के पिता का नाम अगवान के स्थान पर वास्तविक नाम 'आगूराम' घोषित किया जावे।

वाडीगण ने साइम स्वल्प दस्तवेजात, कधार कार्ड, मार्कसीट, बैंक पास बुक, ड्रेन कार्ड, परिवार कार्ड, बिजली का बिल, अलदाला बरपाग पत्रा उगदि भी मामिल पत्रावली है। तथा उतिवाडी स। (बुकिधारी लहसीलशर) का जबाब भी मामिल पत्रावली किया जा चुका है। अतः वाडीगण द्वारा उम्मुग दस्तवेजात एवं जबाब

मेधमि

उतिवाडी स. 1 के सुतानिक राजस्व रिगडिमे
हुक्म किया जाना न्यायोचित व आवश्यक है।

पत्रावली व पञ्चानली पर उपलब्ध रिगडि
व इस्तावेजात आधार कार्ड, मार्गशीट, केरुपासुके
पैन कार्ड, परिवार कार्ड, बिजली का बिल
मतदाता पहचान पत्र व उतिवाडी स. 1 प्रविधारी
रहसीलदार रक्केला द्वारा उस्तुत जनन का
अनलेकन किया गया। एवं बर्मील वाडीगण
के निवेदन पर सजोर जनन किया गया।
वाडीगण द्वारा उस्तुत इस्तावेजात एवं नबब
उतिवाडी स. 1 प्रविधारी रहसीलदार रक्केला
के आधार पर वाड वाडीगण न्यायहित में स्वीकार
किया जाकर डाना वाडीगण डिक्ली किया जाता है
एवं छोड़ना ठी जाती है कि:-

कॉन्डिशन

राजस्व ग्राह सुजान रहसील रक्केला मिला सीकर
में अनन्धित प्रवि रक्कन 603 से 613 कुल किला
17 कुल रक्कन 12-16 हउ रक्केलारी प्रवि में वाडीगण
के पिता का नाम भगवाना के स्थान पर वास्तविक
नाम भाशुराम छोड़ित किया जावे। इसी अनुसार
राजस्व रिगडि में अमल इतमाय किसे जाने
हेतु डिक्ली जारी की जाती है। पत्रावली फल
शुमार लेकर नम्बर से कम है। एवं वाड रहसील
वाजिल इफ्तदर है, निर्वाच सरे इजलाम सुजानगण।

निदेशिका
उपखण्ड अधिकारी
खण्डेला (सीकर)